ICSSR Sponsored
ISSN: 2319-9997

Journal of Nehru Gram Bharati University, 2025; Vol. 14 (I):192-199

क्षेत्र के आधार पर पारिवारिक वातावरण का हाईस्कूल के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

आत्रेय रंजन तिवारी एवं देवेन्द्र यादव

शिक्षक-शिक्षा विभाग, नेहरू ग्राम भारती (मानित विश्वविद्यालय), प्रयागराज

Email- artiwari1983@gmail.com

Received: 20.01.2025 Revised:02.03.2025 Accepted: 13.04.2025

सारांश

प्रस्तुत समस्या कथन क्षेत्र के आधार पर पारिवारिक वातावरण का हाईस्कूल के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन है। अध्ययन में सहसम्बन्धात्मक सर्वेक्षण अनुसंधान विधि का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में प्रयागराज जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं को जनसंख्या माना गया है। साधारण यादृच्छिक प्रतिचयन विधि का प्रयोग करके अध्ययन से न्यादर्श का चयन किया गया। अध्ययन में 300 ग्रामीण एवं 300 शहरी छात्र-छात्राओं का चयन किया गया है। उपकरण के रूप में डा0 करूणा शंकर मिश्रा द्वारा निर्मित ''पारिवारिक वातावरण अनुसूची'' एवं शैक्षिक उपलब्धि- विद्यार्थियों के पिछली परीक्षा मे ंप्राप्त प्राप्तांक का प्रयोग किया गया है। अध्ययन में आँकड़ों के विश्लेषण हेतु प्रसरण-विधि (एनोवा) तथा टी-अनुपात सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया गया है। निष्कर्षतः हाईस्कूल स्तर के शहरी विद्यार्थियों की पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव है। हाईस्कूल स्तर के ग्रामीण विद्यार्थियों की पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव है।

मुख्य शब्द- *शहरी, ग्रामीण, हाईस्कूल, छात्र-छात्राएँ, पारिवारिक वातावरण, शैक्षिक उपलब्धि, प्रभाव*

प्रस्तावना-

एक व्यक्ति की प्राथमिक पाठशाला उसका अपना परिवार होता है और परिवार का एक अंग है जहाँ हमें सबसे पहले शिक्षा मिलती है। परिवार और समाज के अनुरूप ही एक व्यक्ति में सामाजिक गुणों तथा विशेषताओं का विकास होता हैं आज हमारे समाज का स्वरूप तेजी से परिवर्तित हो रहा है, ये भी सही है कि परिवर्तन इस संसार का नियम है लेकिन जिस तरह से हमारे समाज में मूल्यों का ह्रास होता जा रहा है, वो सही नहीं है।

बालक माँ की गोद में आता है, उसकी शिक्षा का भार पर होता है, अतः माँ बालक की प्रथम शिक्षिका है, वह जान बूझकर या अनजाने में बालक को बहुत सी बातों का ज्ञान कराती है, माँ के पश्चात्, परिवार के अन्य सदस्यों, बड़े भाई, बहिनों एवं पिता के

आचार-विचार, व्यवहार से बालक बहुत कुछ सीखता है, और प्रभावित होता है।

परिवार के स्नेहपूर्ण वातावरण से प्रभावित होते हुए वह अपने परिवार की भाषा, सांस्कृतिक वेश-भूषा, आचार-विचार, आहार-विचार तथा रुचियों का स्वाभाविक रूप से ग्रहण कर लेता है। इस प्रकार पारिवारिक शिक्षा बालक के व्यक्तित्व की ऐसी आधारशिला बन जाती है जिसमें वह जीवन- पर्यन्त कभी नहीं भूलता। चूँकि प्रत्येक परिवार के प्रभाव अलग-अलग होते हैं, इसलिए एक बालक दूसरे बालकों से विभिन्न होता है। रेमण्ड ने ठीक ही लिखा है- ''दो बालक एक ही स्कूल में भले ही पढ़ते हो, एक से ही शिक्षकों से प्रभावित होते हों, एक साथ अध्ययन करते हों, फिर भी सामान्य ज्ञान, रुचियों, भाषा व्यवहार तथा नैतिकता ने अपने-अपने अलग-अलग पारिवारिक वातावरण के कारण, जहाँ से आते है पूर्णतया भिन्न होते है।''

पूर्व अध्ययनों से पता चलता है कि पारिवारिक वातावरण का विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक, उपलब्धि आदि पर सार्थक प्रभाव पाया जाता है जैसा कि पूर्व शोध अध्ययनों में मारलेने एवं माया (2004) ने अध्ययन में इंगित किया कि किशोर एवं माता-पिता के बीच लगाव की निरन्तरता एवं विश्वास को कायम रखकर सम्बन्धों को स्थायी बनाया जा सकता है। यह सम्बन्ध मानसिक स्वास्थ्य एवं दूसरे शैक्षिक व्यवसायिक ज्ञान जो उनके विकास के लिए जरूरी है, को मजबूत एवं टिकाउ बनाता है। सैनी, मोनिका (2010) ने अध्ययन में पाया गया कि- माध्यमिक स्तर के अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों के पारिवारिक वातावरण की विमा नियंत्रण, सुरक्षा, दण्ड, अनुरूपता, अलगाव, पुरस्कार, विशेषाधिकार से वंचन, प्रोत्साहन, उपेक्षा एवं अनुमति का उनके शैक्षिक उपलब्धि के मध्य ऋणात्मक एवं असार्थक सहसम्बन्ध होता है। कैटरिना (2015). ने अध्ययन में इंगित किया कि परिवार को अत्यन्त ही महत्त्वपूर्ण शैक्षिक इकाई के तौर पर माना जाता है और इसमें माँ की भूमिका ज्यादा महत्त्वपूर्ण है। पिता का व्यवहार अपने लड़के एवं लड़की के लिए एक खास अनुभव का होता है। वह उनके लिए विचारों का स्रोत है। एक अच्छा पिता अपने पुत्री के लिए आदर्श एवं पुत्र के लिए उदाहरण होता है। एक माँ अपने बच्चों के सामाजिक विकास के लिए भी महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है और परित्याग, उदारता और दयालुता के गुणों से बच्चों के भावी जीवन की पटकथा तैयार करती है। चौधरी एवं मित्रा (2015) ने अध्ययन में इंगित किया कि- केवल स्कूल भेजने से ही बच्चों को भविष्य का नागरिक नहीं बनाया जा सकता है बल्कि उनके विभिन्न विकास एवं मनोवैज्ञानिक एवं सामाजिक विकास के स्तरों को पाने के लिए उचित अवसर एवं परवरिश देना होगा। सिंह, जागृति एवं अन्य (2017) ने अध्ययन में पाया गया कि

कार्यात्मक मनोवृत्ति वाले किशोर परवरिश की निरन्तरता, उचित परवरिश, सकारात्मक उत्साह से उच्चतर मनोवैज्ञानिक स्तर पर सुदृढ़ पाये गये।

समस्या कथन-

क्षेत्र के आधार पर पारिवारिक वातावरण का हाईस्कूल के विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन।

अध्ययन का उद्देश्य-

उद्देश्य-1 पारिवारिक वातावरण का हाईस्कूल के शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।

उद्देश्य-2 पारिवारिक वातावरण का हाईस्कूल के ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।

अध्ययन की परिकल्पना-

1. हाईस्कूल के शहरी विद्यार्थियों की पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।
2. हाईस्कूल के ग्रामीण विद्यार्थियों की पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।

शोध विधि

अध्ययन में सहसम्बन्धात्मक सर्वेक्षण अनुसंधान विधि का प्रयोग किया गया है।

समष्टि-

अध्ययन में प्रयागराज जनपद के माध्यमिक विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र-छात्राओं को जनसंख्या माना गया है।

न्यादर्श-

साधारण यादृच्छिक प्रतिचयन विधि का प्रयोग करके अध्ययन से न्यादर्श का चयन किया गया। अध्ययन में 300 ग्रामीण एवं 300 शहरी छात्रछात्राओं का चयन किया - गया है।

अध्ययन में प्रयुक्त उपकरण

डा0 करूणा शंकर मिश्रा द्वारा निर्मित ''पारिवारिक वातावरण अनुसूची''

शैक्षिक उपलब्धिविद्यार्थियों के पिछली परीक्षा मे ंप्राप्त प्राप्तांक -

अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकीय प्राविधियाँ

अध्ययन में आँकड़ों के विश्लेषण हेतु प्रसरणअनुपात -तथा टी (एनोवा) विधि- सांख्यिकी विधियों का प्रयोग किया गया है।

प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या-

उद्देश्य-1 क्षेत्र के आधार पर पारिवारिक वातावरण का हाईस्कूल के शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।

H_{01} हाईस्कूल के शहरी विद्यार्थियों की पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।

सारणी सं0 1

हाईस्कूल के उच्च, औसत एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर का एफमान-

Source	df	SS	MS	F	Table Value
Between Groups	2	27764.78	13882.39	5.61*	.01(2,247)=4.66
Within Groups	247	611223.47	2474.59		
Total	**249**	**638988.26**	**16356.98**		

0.01 पर सार्थक

हाईस्कूल के उच्च, औसत एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य एफ = अनुपात-5.61 जो कि स्वतंत्रांश) =2, 247) पर एफ-अनुपात के क्रान्तिक मान4.66 से अधिक है, 0.01 पर सार्थक तथा शून्य परिकल्पना भ्)012ण्1) अस्वीकृत। परिणामतः उच्च, औसत एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में असमानता है।

सारणी सं0 1.1

हाईस्कूल के उच्च, औसत एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों के बीच टीअनुपात में अन्तर-

S.No.	Level	N	M	S_D	D	t-value
1	High	64	403.53	7.68	13.97	1.82
	Moderate	122	389.56			
2	High	64	403.53	8.79	29.44	3.35*
	Low	64	374.09			
3	Moderate	122	389.56	7.68	15.46	2.01
	Low	64	374.09			

हाईस्कूल के उच्च, औसत एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले शहरी विद्यार्थियों

की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान क्रमशः 403.53, 389.56 एवं 374.09 तथा तीनों के मध्य टी मान क्रमशः-1.82, 3.35 एवं 2.01 है। सार्थक युग्म तुलना में उच्च पारिवारिक वातावरण वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न पारिवारिक वातावरण वाले शहरी विद्यार्थियों की तुलना में अधिक है जबकि उच्च एवं औसत तथा औसत एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में भी समानता है। परिणामतः कह सकते हैं कि हाईस्कूल स्तर के शहरी विद्यार्थियों की पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव है।

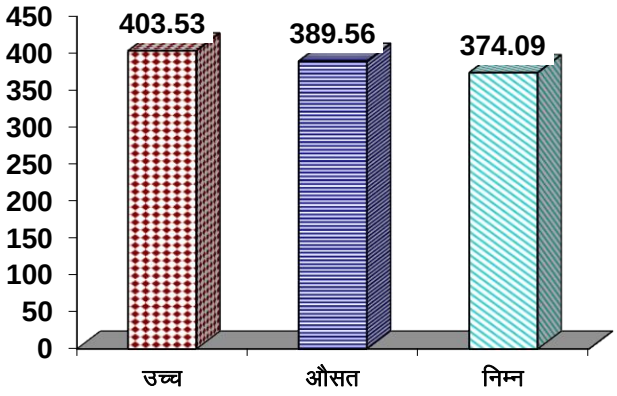

आरेख सं0 1: हाईस्कूल के उच्च, औसत एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों का आरेख

उद्देश्य-2 पारिवारिक वातावरण का हाईस्कूल के ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।

H_{02} हाईस्कूल के ग्रामीण विद्यार्थियों की पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं है।

सारणी सं0 2

हाईस्कूल के उच्च, औसत एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में अन्तर का एफमान-

Source	df	SS	MS	F	Table Value
Between Groups	2	30794.56	15397.28	8.19*	.01(2,247)=4.66
Within Groups	247	464180.70	1879.27		
Total	**249**	**494975.26**	**17276.55**		

0.01 पर सार्थक

हाईस्कूल के उच्च, औसत एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्य एफ-अनुपात = 8.19 जो कि स्वतंत्रांश = (2,247) पर एफ-अनुपात के क्रान्तिक मान 4.66 से अधिक है, 0.01 पर सार्थक तथा शून्य परिकल्पना (भ्012ण्2) अस्वीकृत। परिणामतः उच्च, औसत एवं निम्न पारिवारिक वातावरण के सन्दर्भ में ग्रामीण विद्यार्थियों कीशैक्षिक उपलब्धि में असमानता है।

सारणी सं0 2.1

हाईस्कूल के उच्च, औसत एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों के बीच टी-अनुपात में अन्तर

S.No.	Level	N	M	S_D	D	t-value
1	High	67	377.30	6.62	3.32	0.50
	Moderate	119	373.97			
2	High	67	377.30	7.58	27.36	3.61*
	Low	64	349.94			
3	Moderate	119	373.97	6.72	24.04	3.58*
	Low	64	349.94			

हाईस्कूल के उच्च, औसत एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान क्रमशः 377.30, 373.97 एवं 349.94 तथा तीनों के मध्य टी मान क्रमशः-0.50, 3.61 एवं 3.58 है। सार्थक युग्म तुलना में उच्च एवं औसत पारिवारिक वातावरण वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि निम्न पारिवारिक वातावरण वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की तुलना में अधिक है जबकि उच्च एवं औसत पारिवारिक वातावरण वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि में भी समानता है। परिणामतः कह सकते हैं कि हाईस्कूल स्तर के ग्रामीण विद्यार्थियों की पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर सार्थक प्रभाव है।

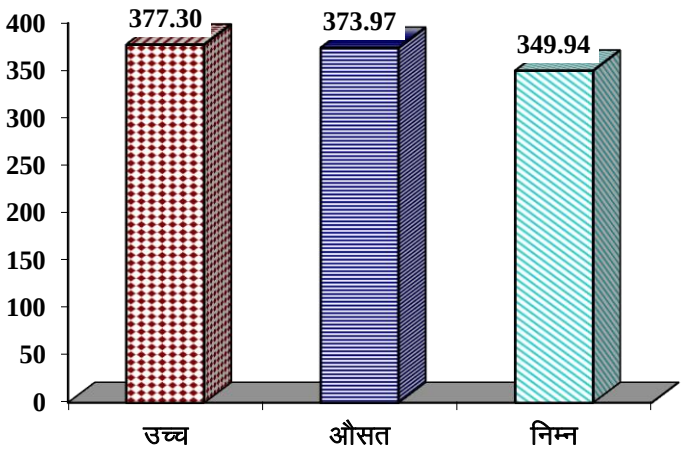

आरेख सं0 2: हाईस्कूल के उच्च, औसत एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि के मध्यमानों का आरेख

निष्कर्ष-

अध्ययनोपरान्त निम्नलिखित निष्कर्ष प्राप्त हुये-

- हाईस्कूल के उच्च, औसत एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले शहरी विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान क्रमशः 403.53, 389.56 एवं 374.09 तथा तीनों के मध्य टी मान क्रमशः-1.82, 3.35 एवं 2.01 है जो .01 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना अस्वीकार की जाती है। निष्कर्षतः हाईस्कूल स्तर के शहरी विद्यार्थियों की पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव है।
- हाईस्कूल के उच्च, औसत एवं निम्न पारिवारिक वातावरण वाले ग्रामीण विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धि का मध्यमान क्रमशः 377.30, 373.97 एवं 349.94 तथा तीनों के मध्य टी मान क्रमशः-0.50, 3.61 एवं 3.58 है जो जो .01 सार्थकता स्तर पर शून्य परिकल्पना अस्वीकार की जाती है। निष्कर्षतः हाईस्कूल स्तर के ग्रामीण विद्यार्थियों की पारिवारिक वातावरण का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव है।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- अमाजू एवं ओकोरो) 2015). सोशल स्टेट्स ऑफ पैरेन्ट एण्ड स्टूडेन्ट्स ऐकेडमिक परफॉरमेन्स इन आबा एजुकेशन जोन, अबिया स्टेट, एडवांसड इन रिसर्च, 3(2), 189-197
- पंत, खगेंद्र राज)2020). इन्फ्लुएन्सेस ऑफ पैरेन्टल सोशियोस्टेट्टस ऑन इकोनॉमिक-ए केस स्टडी ऑफ रूरल कम्प्यूनिट्स इन कैलाली :एकेडेमिक एचिवमेण्ट, नेपाल, कन्टेम्पोररी

रिसर्चएन इन्टरडिस्पिलनरी एकेडेमिक जर्नल :, वॉ0 4(1), 95-109

- सैनी, मोनिका)2010). ए स्टडी ऑफ ऐकेडमी एचीवमेन्ट ऑफ शेड्यूल कास्ट्स सेकेण्डरी स्कूल स्टूडेन्ट्स इन रिलेशन टू स्टडी हैबिट, होम इन्वायर्मेन्ट एण्ड स्कूल इन्वायर्मेन्ट, पी0एचडी-0 थीसिस, महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी, रोहतक
- जाफरी, सदाफ एवं शर्मा, सुधा कुमारी)2011). इम्पैक्ट ऑफ फैमिली क्लाइमेट, मेण्टल हेल्थ, स्ट्डी हैबिट्स एण्ड सेल्फ कांफिडेन्स ऑन द एकेडेमिक एचिवमेण्ट ऑफ सीनियर सेकेण्डरी स्टूडेन्ट्स, पीएच-0डी0 थीसिस एजूकेशन, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी अलीगढ़।
- कुमार, अश्विनी एवं सोनी, आर0 (2011). ए स्ट्डी ऑफ द रिलेशनशिप बिटविन एकेडेमिक एचिवमेण्ट मोटिवेशन एण्ड होम इनवार्यमेण्ट एमंग स्टैण्डर्ड 10 पीपुल्स, इण्टरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च इन एजूकेशन, वॉल्यूम-2, इश्यू-4, पृ0 48-51
- ढाल, शिखा)2014). ए स्ट्डी ऑफ एकेडेमिक एचिवमेण्ट एमंग एडोलेसेन्स इन रिलेशन टू एचिवमेण्ट मोटिवेशन, जर्नल ऑफ आल इण्डिया, एसोसिएशन फॉर एजूकेशनल रिसर्च, वॉल्यूम-26, नं0 1, पृ0 1-6
- युनुस, शफा एबाएवं बा ., सैमुएल, लराबा)2014). इफेक्ट ऑफ फैमिली इन्वायर्मेन्ट ऑफ स्टूडेन्ट्स ऐकेडमी परफार्मेन्स एण्ड एडजेस्टमेन्ट प्रॉब्लम इन स्कूल, जर्नल ऑफ एजुकेशन एण्ड पै्रक्टिस, वाल्यूम-5, इश्शू-19, पृ0 96-101

Disclaimer/Publisher's Note:
The statements, opinions and data contained in all publications are solely those of the individual author(s) and contributor(s) and not of JNGBU and/or the editor(s). JNGBU and/or the editor(s) disclaim responsibility for any injury to people or property resulting from any ideas, methods, instructions or products referred to in the content.